

# कोल इंडिया चेयरमैन आज झरिया पुनर्वास पर करेंगे मंथन

## धनवाद आगमन

**जगमगन संवाददाता, धनवाद :** कोल इंडिया चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल गुरुवार को शहर में होंगे। वे बीसीसीएल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। झरिया पुनर्वास की प्रगति पर भी मंथन करेंगे। पुनर्वास में तेजी कैसे लाएं व कोल कर्मियों को शिफ्ट करने की जानकारी लेंगे।

बीसीसीएल के कोयला उत्पादन पर भी बात करेंगे। खासकर उन क्षेत्र में विशेष फोकस रहेगा, जहां उत्पादन व डिस्पैच का लक्ष्य पूरा नहीं हुआ है। अधिकारियों को भी मुख्यालय से संवाद करते समय हर परिस्थिति पर जवाब देने के लिए कहा गया है। कोयला भवन में आयोजित बैठक में वे अधिकारियों को टिप्स देंगे। बुधवार को



कोल इंडिया चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल (फाइल)

- बीसीसीएल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे प्रमोद अग्रवाल
- पुनर्वास पर तेजी लाने व कर्मियों को शिफ्ट करने की जानकारी भी लेंगे

बीसीसीएल सीएमडी ने निदेशक मंडल के साथ चर्चा भी की। सीएमपीटीआइएल के अधिकारी भी मौजूद थे।

## प्रमोद अग्रवाल के समक्ष ये चुनौतियां हैं और इनके समाधान की उम्मीदें भी हैं

**1. झरिया पुनर्वास में तेजी :** झरिया अग्नि प्रभावित क्षेत्र में 25 हजार से अधिक कर्मचारी रहते हैं। इनके पुनर्वास के लिए आवास बनकर तैयार हैं, लेकिन बीसीसीएल प्रबंधन उन्हें सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट नहीं कर पा रहा है। नतीजा कोयला नगर, मुरली नगर सहित आधा दर्जन कालोनिया खाली हैं। हर वर्ष यहां मरम्मत के नाम पर करोड़ों की रकम खर्च हो रही है। उम्मीद है कि चेयरमैन अपने कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं देने की घोषणा करते हुए जल्द शिफ्ट करने का निर्देश बीसीसीएल प्रबंधन को देंगे।

**2. केंद्रीय अस्पताल को बेहतर बनाना :** बीसीसीएल का केंद्रीय अस्पताल रेफरल अस्पताल बनकर रह गया है। बाहरी लोगों का यहां इलाज बंद कर दिया गया है। न्यूरों के लिए यहां कोई

चिकित्सक नहीं है। कोयला कर्मियों को भी इसके इलाज के लिए बाहर जाना पड़ता है। 500 बेड के अस्पताल की स्थिति यह है कि मामूली जांच तक के लिए यहां इलाज कराने आए लोगों को बाहर जाना पड़ रहा है।

**3. बीसीसीएल में मेडिकल अस्पताल की व्यवस्था :** बीसीसीएल में मेडिकल अस्पताल का मामला कई वर्षों से लटका हुआ है। इसके लिए केंद्रीय अस्पताल के पास जमीन भी विहित है। चेयरमैन से धनवाद के लोगों को उम्मीद है कि वे इस पर पहल करेंगे। मेडिकल अस्पताल का बजट भी प्रबंधन के पास मौजूद है। कोयला मंत्रालय ने भी इस पर अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

**4. फिर से मिले बहाली का मौका :** कोल इंडिया में राष्ट्रीयकरण के समय 7.50 लाख श्रम शक्ति थी। यह घटकर

2.40 लाख हो गई है। कंपनियों में सीधे नियुक्ति बंद है। पूर्व में कई स्कीम के तहत कोयला श्रमिकों के आश्रितों को नियोजन मिलता था, लेकिन वर्तमान समय में यह सुविधाएं भी बंद हो गई हैं। जहां पूरे देश में रोजगार के संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं वहीं कोयला कर्षणियों में श्रम शक्ति घट रही है और मशीन से उत्पादन पर जोर दिया जा रहा है।

**5. खदानों खुलने से धनवाद में लौटेगी रौनक :** बीसीसीएल में चार दर्जन से अधिक बड़ी खदानें बंद हैं। खदानों में उच्च कोटि के कोयले का भंडार है। इन खदानों से उत्पादन शुरू होने से जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट को भी राशि प्राप्त होगी। उस राशि से धनवाद का विकास संभव है। परियोजना क्षेत्र के आसपास रहने वाले लोगों को भी कई तरह के आर्थिक लाभ होंगे।

Date - 04-11-2022

Publication - Business Standard

## **COAL INDIA CELEBRATES 48TH FOUNDATION DAY**

**T**he 48th Foundation Day of the world's largest coal miner Coal India Limited (CIL) was celebrated with great enthusiasm with a series of events organised in Kolkata. Union Coal Minister Shri Pralhad Joshi, Secretary (Coal), Govt. of India, Shri Amrit Lal Meena, Chairman CIL Shri Pramod Agrawal and Shri M. Nagaraju, Additional Secretary (Coal), Govt. of India, gave away the Corporate & Individual Excellence Awards to the best performing subsidiary companies and officials for FY 2021-22 in the central celebration held at the Science City Auditorium.



The 48th CIL Foundation Day celebrations commenced with Shri Pramod Agrawal, Chairman, CIL, Functional Directors and Chief Vigilance Officer of CIL paying floral tributes at the Martyrs' Memorial at CIL Hq. in Kolkata. Chairman, CIL then unfurled the 'Coal India Flag' and felicitated former senior officials of CIL who graced the occasion. Chairman, CIL then delivered the welcome address. This was followed by an address by the former Chairman, CIL, Shri S. Narsing Rao. A handbook named "Rishta Zindagi Bhar Ka" for retiring employees of CIL was also unveiled on the occasion.

Date - 05-11-2022

Publication - The Pioneer

## 'Work for development of new technologies for future mines operations'

PANKAJ KUMAR ■ DHANBAD

The Chairman of Coal India Limited (CIL) Pramod Agarwal has called upon students of IIT - ISM to work for development of new technologies suitable for future mines operations.

He inaugurated on Thursday evening Mining engineering facilities, fests, exhibitions besides the Coal India Limited (CIL) Innovation and Incubation Centre, a Tech Expo featuring innovative mining automation related products and also launching of the biggest Geo Mining Fest of the country,

Khanan 2022 in campus here in presence of a host senior officials of company and its subsidiaries.

Talking to the media after the inauguration of the Coal India Innovation and Incubation Centre the chairman said, "Some of the technologies developed here at centre and also at TEXMiN are quite useful and interesting and have the potential to help in improving mining operation."

He said, "We started the centre at IIT (ISM) with the aim of developing such technologies which will help in automation in mining sector". The CIL chairman later

also interacted with the mining startups and early innovators during tea at NVCTI conference room situated at the same I2H Building and took details of projects on which they are working.

IIT (ISM) Director, Prof. Rajeev Shekhar and Deputy Director, Dhiraj Kumar too were present.

The CIL Innovation and Incubation Centre, established at Institute Innovation Hub (I2H Building also known as CRE Building) with the financial support of mining major, Coal India Limited (CIL) is meant to nurture early innovators to ideate in the domain of

Technology Innovation and Community Skill Development in the business areas of Coal India Limited (CIL) and also promoting economically viable startups through pre incubation.

Professor Dhiraj Kumar, Deputy Director of IIT (ISM) said, "The technologies and products developed by TEXMiN which were displayed during the expo are aimed to achieve Mining 4.0 or Digital Mining which is the need time in view of the increasing demand of Mining companies to reduce the operating cost and also to achieve Safe, Smart and Sustainable

mining."

Chief Executive Officer of TEXMiN, Suraj Kumar said, "During the interaction with the innovators he discussed such areas of automation which require their intervention in the form of Research for automation and digitalization".

A host of technical events, panel discussions, lectures by eminent personalities are scheduled during the next three days from November 4 to 6 as part of Khanan 2022 which is being organized by IIT (ISM) in Association with TEXMiN and CIL Innovation centre.

Date - 06-11-2022

Publication - The Times of India



## CITY-BASED COAL INDIA BEGINS 17 MORE FIRST-MILE CONNECTIVITY PROJECTS